

25/01/2022

07

प्राची मय कलियुग उपर दुआ/ प्राची  
द्वारा देवा में राजीनामा होने के  
कारण होवा रही सर पर खरिज  
दिया जा चुका है। शर! अब इस  
प्राची-पत्र 212 रत्न का कोई औचित्य  
नहीं रह जागा है।

शर! प्राची-पत्र 212 रत्न अभी  
सर पर खरिज दिया जाता है।

पत्रावली प्रकृत शुभल होकर  
नमो है कम की जाके शाखिल/दफ्तरी है।

अजीत सिंह

Ide

5

25-1-22

